बिहार विशिष्ट करेंट अफेयर्स

जून 2023

बीपीएससी एवं बिहार की अन्य परीक्षाओं हेतु उपयोगी

BYJU'S EXAM PREP

इंदौर की तर्ज पर पटना नगर निगम में 'मेरा शहर मेरी जवाबदेही' अभियान प्रारंभ

चर्चा में क्यों ?

- प्रदेश की राजधानी पटना को वर्ष 2023 के स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंक दिलाने के लिए पटना नगर निगम ने मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के तर्ज पर एक नई पहल शुरू की है।
- यह पहल आगामी 1 जुलाई से 15 अगस्त 2023 तहत "मेरा शहर मेरी जवाबदेही" के नाम से सफाई कर्मियों की जिम्मेदारी के साथ आरम्भ की जा रही है।

मुख्य बिंदु:

- विगत 26 जून 2023 को सशक्त स्थाई समिति की चौथे साधारण बैठक में राज्य सरकार द्वारा विभिन्न 22 एजेंडों को स्वीकृति मिली है, जिसमें मेरा शहर मेरी जवाबदेही अभियान की शुरुआत को प्रमुखता दी गयी है।
- स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 को ध्यान में रखकर "मेरा शहर मेरी, जवाबदेही" नामक कैंपेन शुरू किया जा रहा है। इसमें पटना नगर निगम द्वारा 650 से अधिक ग्रेटर वेस्ट प्वाइंट को साफ किया गया है। इसके साथ ही पटना नगर निगम ने एक व्हाट्सएप चैट बोर्ड नंबर 9264447449 सार्वजनिक किया है जो 01 जुलाई 2023 से सक्रिय हो गया है ।
- मेरा शहर मेरी, जवाबदेही अभियान को सफल बनाने के लिए पूरे पटना शहर को 19 जोन में बांटा गया है। प्रत्येक जोन के प्रभारी जोनल निरीक्षक को बनाया गया है जो अपने-अपने जोन के वार्ड में और प्रत्येक वार्ड के सभी सेक्टर में फीडबैक और वोटिंग के लिए जागरूकता अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक करेंगे।
- इस अभियान के तहत युवाओं सहित वरिष्ठ नागरिकों को प्रेरित करने और उन्हें जागरूक करने के लिए स्कूल, कॉलेज, होटल, रेस्टोरेंट, मॉल, सोसाइटी, मार्केट कॉप्लेक्स इत्यादि स्थानों को लक्षित कर वहां नगर निगम की टीम के द्वारा गीत-संगीत, कार्टून आदि के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।
- इस अभियान के तहत शहर के सभी वार्ड में 300 से 400 मीटर का दायरा एक सफाई कर्मी के लिए तय किया गया है।

सशक्त स्थाई समिति के अन्य निर्णय:

- मानसून के कारण उत्पन्न होने वाले समस्या से निपटने के लिए भी पटना नगर निगम में मुख्यालय स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, निचले इलाके को चिन्हित कर वहां मोटर पंप लगाया गया है।
- जलजमाव के कारण बरसात के समय कोई दुर्घटना ना हो इसके लिए मोटर पंप से पानी निकासी की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही नगर निगम के सभी अंचलों में लगभग 900 मैनहोल के ढक्कन अलग से तैयार किए गए हैं।
- इसके अलावा शहर में विभिन्न जगहों पर 50 एलइडी हाई मास्क लाइट लगाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही साथ बैठक में नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न स्थलों पर एस्प्रेसनल शौचालय निर्माण और यूरिनल बनाए जाने का निर्णय को भी स्वीकृति मिल चुकी है।
- विभाग द्वारा वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए प्राप्त राशि करोड़ रुपए को खर्च करने के संबंध में भी निर्णय लिया गया है।
- नगर निगम ने शहर के ऊंची बैनर पोस्टर को हटाने के लिए तीन हाइड्रा को खरीदने का निर्णय लिया है और आने वाले दिनों में स्टेशन पर महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए भी स्वीकृति मिल चुकी है, जिसके कार्यान्वयन के लिए सम्बधित विभाग द्वारा कार्य किया जा रहा है।

मधुबनी के अक्षय आनंद सन्नी साहित्य अकादमी का बाल साहित्य पुरस्कार 2023 से सम्मानित

चर्चा में क्यों?

- विगत 23 जून, 2023 को साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ने दो श्रेणियों; बाल साहित्य पुरस्कार के लिए 22 जबकि युवा पुरस्कार 2023 के लिए कुल 20 लेखकों का चयन किया और वर्ष 2023 के पुरस्कारों की घोषणा भी कर दी है।

मुख्य बिंदु:

- मैथिली में बाल साहित्य पुरस्कार के लिए राज्य के मधुबनी जिले के अक्षय आनंद सन्नी की कविता संग्रह 'ओल कतरा, झोल कतरा का चयन किया गया था। सन्नी की यह पुस्तक 2017 में प्रकाशित हुई थी।
- अक्षय आनंद सन्नी मधुबनी जिला के बेनीपट्टी प्रखंड क्षेत्राधीन शिवनगर गांव निवासी जीतेंद्र नाथ झा एवं सुधीरा झा के पुत्र हैं। अक्षय आनंद सन्नी का मैथिली साहित्य के विकास में अभूतपूर्व योगदान रहा है।
- अक्षय आनंद सन्नी की अब तक तीन पुस्तकें; 2017 में 'ओल कतरा झोल कतरा, वर्ष 2020 मे 'आम छू अमरोड़ा छू' और वर्ष 2021 में 'औनाइत आखर' प्रकाशित हो चुकी हैं। इनमें दो बाल कविता संग्रह जबकि एक कविता संग्रह है।
- यह ध्यान देने योग्य है कि, मणिपुरी भाषा में बाल साहित्य पुरस्कार की घोषणा बाद में की जाएगी तथा इस वर्ष कश्मीरी भाषा में बाल साहित्य पुरस्कार प्रदान नहीं किया गया है।
- बाल साहित्य पुरस्कार के लिए पुरस्कार स्वरूप एक उत्कीर्ण ताम्रफलक तथा 50,000 रुपये की सम्मान राशि दी जाती है जो बाद में आयोजित होने वाले एक विशेष समारोह में प्रदान किए जायेंगे।

साहित्य अकादेमी बाल साहित्य पुरस्कार 2023		
भाषा	**शीर्षक एवं विधा**	**लेखक**
असमिया	पोवालमोनि चिंचिंगर दुहक्षहक्षिक अभिज्ञान (उपन्यास)	रॉक्थींद्रनाथ गोस्वामी
बाङ्ला	एरोप्लेनेर कथा (उपन्यास)	श्यामलकांत दास

बोडो	गसाइनि गोजोन नोजोर (कहानी)	प्रतिमा नंदी नाज़री
डोगरी	कंजकां (कविता)	बलवान सिंह जमोड़िया
अंग्रेज़ी	अंग्रेज़ी ग्रैंडपैरेंट्स बैग ऑफ़ स्टोरीज़ (कहानी)	सुधा मूर्ति
गुजराती	हुं म्याउं तुं चूं चूं (कविता और कहानी)	रक्षाबहेन प्रह्लाद राव दवे
हिंदी	कौतुक ऐप (कहानी)	सूर्यनाथ सिंह
कन्नड़	सुरक्कि गेट (उपन्यास)	विजयश्री हालादि
कोंकणी	जाण (उपन्यास)	तुकाराम रामा शेट
मैथिली	ओल कतरा, झोल कतरा (कविता)	अक्षय आनंद 'सन्नी'
मलयालम	पेरूमालयते कुंजीथलुगल (उपन्यास)	प्रिया ए.एस.
मराठी	छंद देई आनंद (कविता)	एकनाथ आव्हाड
नेपाली	बाल एकांकी नाटकहरू (नाटक)	मधुसूदन विष्ट
ओड़िआ	जेजेन्का गप गंथिलि (कहानी)	जुगल किशोर षडंगी
पंजाबी	सची दी कहानी (कहानी)	गुरमीत कड़ी आलवी
राजस्थानी	टाबरां री दुनियां (संस्मरण)	किरण बादल
संस्कृत	मानवी (उपन्यास)	राधावल्लभ त्रिपाठी

संताली	नेने पेटे (कहानी)	मानसिंह माझी
सिंधी	वाङ्णमल जी शादी (कविता)	ढोलणु राही
तमिल	आदनिन बोम्मई (उपन्यास)	उदयशंकर
तेलुगु	वज्राला वाना (कहानी)	डी.के. चादुवुल बाबु
उर्दू	ममता की डोर (कहानी)	स्व. मतीन अचालपुरी (मरणोपरांत)

स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड गेम्स 2023 में बिहार के गजेंद्र कुमार ने जीता रजत पदक

चर्चा में क्यों ?

- विगत 7 जून से 25 जून 2023 तक जर्मनी के बर्लिन में आयोजित स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड समर गेम्स में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए गजेन्द्र कुमार ने 400m दौड़ प्रतिस्पर्धा में रजत पदक तथा शॉट पुट में कांस्य पदक जीता है।

मुख्य बिंदु:

- स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड समर गेम्स में 26 खेल प्रतिस्पर्धाओं में मुकाबला करने के लिए भारत के 200 खिलाड़ी और 60 कोच सहित विश्व के कुल 190 देशों के 7000 खिलाड़ियों ने भाग लिया था।
- बिहार से दो प्रतिभावान खिलाड़ी गजेन्द्र कुमार, एथलेटिक्स और सिन्टू कुमार, हैन्डबॉल प्रतिस्पर्धा तथा एथलेटिक टीम कोच के रूप में संदीप कुमार का चयन किया गया था।

- इस ओलंपिक वर्ल्ड समर गेम्स में यूएस के जोसफ वुडलैंड ने गोल्ड मेडल जीता। टाइमर - लेस्टे के एथलीट ओस्कर डासरेस तीसरे स्थान पर रहे। इस बार भारत ने एथलेटिक्स में कुल 13 पदक जीते हैं।
- एथलेटिक्स में भारत के पुरुषों की 4x100 मीटर रिले टीम में गजेंद्र कुमार, बैष्णव राजपालिया, साकेत कुंडू और रोहन शामिल थे। जिन्होंने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था।
- यह ध्यान देने योग्य है कि स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड समर गेम्स शारीरिक और मानसिक रूप से दिव्यांग विशेष प्रतिभा सम्पन्न खिलाड़ियों की सबसे बड़ी प्रतियोगिता है।
- यह उल्लेखनीय है कि, समर स्पेशल ओलंपिक में बिहार के एथलीटों ने पहले भी कई पदक जीते हैं। वर्ष 2015 में लॉस एंजिल्स में संपन्न हुए समर ओलंपिक में बिहार ने दो कांस्य और एक रजत के साथ कुल तीन पदक जीते थे। वर्ष 2011 में भी बिहार ने दो पदक जीते हैं।

अन्य स्मरणीय तथ्य:

- भारतीय टीम ने बर्लिन में अपने विशेष ओलंपिक विश्व खेल प्रतिस्पर्धा में 76 स्वर्ण, 75 रजत और 51 कांस्य पदक सहित कुल 202 पदक जीता है।
- राज्य में खेल को बढ़ावा देने के लिए बिहार राज्य खेल प्राधिकरण ने राज्य के 33 जिलों में 33 खेलो इंडिया सेंटर खोलने की घोषणा की है।
- बिहार सरकार ने बिहार राज्य खेल प्राधिकरण को पिछले 25 मार्च 2023 को एक स्वायत्त संस्था के रूप में कानूनी मान्यता दिया था।
- वर्तमान में बिहार के कला संस्कृति व खेल मंत्री जितेंद्र कुमार राय हैं।

पटना में G20 के तहत L 20 (श्रम 20) का आयोजन

चर्चा में क्यों?

- 21 से 23 जून, 2023 तक बिहार के पटना में पहली बार एल-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इसमें 'सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा' तथा 'महिलाएं और फ्यूचर ऑफ वर्क' जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा की गई।
- इसके पूर्व अमृतसर में 19 से 21 मार्च, 2023 तक संपन्न हुई एल-20 की शुरुआती बैठक में व्यापक चर्चा के बाद निम्नलिखित दो विषयों पर संयुक्त बयान जारी किया गया था।
    1. सामाजिक सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा कोष की इंटरनेश्नल पोर्टेबिलिटी (अंतर्राष्ट्रीय सुवाह्यता)
    2. महिलाएं और फ्यूचर ऑफ वर्क

मुख्य बिंदु:

- एक परिवार और एक भविष्य थीम के साथ विगत 21 से 23 जून 2023 को प्रदेश की राजधानी पटना में (सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर के ज्ञान भवन और बापू सभागार में) G20 के तहत L20 (श्रम 20) का आयोजन किया गया था।
- इस सम्मेलन में भारत सहित 28 देशों के 173 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। यद्यपि जी-20 में शामिल देशों के अलावा भारत ने इस वर्ष अपनी ऐतिहासिक अध्यक्षता के तहत जी-20 के लिए आठ अतिरिक्त देशों बांग्लादेश, मिस्र, मॉरीशस, नीदरलैंड, नाइजीरिया, ओमान, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात को आमंत्रित किया था। इसके साथ ही इंटरनेशनल सोलर एलायंस कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर और एशियन डेवलपमेंट बैंक को भी इस बार आमंत्रित किया गया है।
- इस सम्मलेन में जी 20 देशों में रोजगार के नए अवसर और चुनौतियां विषय पर टास्क फोर्स की रिपोर्ट ने डिजिटलीकरण से मुद्दों के समाधान के लिए एक रोडमैप प्रस्तावित किया। टास्क फोर्स ने सिफारिश किया कि 'केयर इकॉनोमी में रोजगार की महत्वपूर्ण संभावनाएं हैं, और श्रमिकों की सुरक्षा के लिए नियम बनाए जाने चाहिए" ।
- एल-20 शिखर सम्मेलन का उद्घाटन बिहार के 41वें व वर्तमान राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर द्वारा किया। इसके साथ ही साथ इस बैठक में शामिल हुए मेहमानों को बिहार से जुड़ी कला और संस्कृति के माध्यम से सम्मानित भी किया गया।
- **G-20:** यह 20 देशों के समूह वाला अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का एक प्रमुख मंच है। G-20 प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मुद्दों पर वैश्विक संरचना व्यवस्था और संचालन प्रणाली का निर्माण करने तथा प्रशासनिक तंत्र को सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **L-20 यानी लेबर 20:** यह G-20 के 11 सहयोगी एवं कामकाजी समूहों में से एक है। यह गैर-सरकारी प्रयासों के नेतृत्व में कार्यरत है। यह वैश्विक स्तर पर श्रम और रोजगार की चिंताओं तथा अन्य संबंधित मुद्दों पर चर्चा करता है।

BYJU'S EXAM PREP

ANM गायत्री कुमारी को 2023 के लिए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

- विगत 22 जून, 2023 को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में 2022 और 2023 के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले देश भर के 15 नर्सों /एएनएम वर्कर्स को सम्मानित किया गया।
- इस समारोह में पुरस्कृत होने वाली नर्सों की सूची में बिहार की इकलौती महिला गायत्री कुमारी का नाम भी शामिल है।

मुख्य बिंदु:

- गायत्री कुमारी बिहार के मुंगेर डिवीजन (प्रमंडल) के शेखपुरा ज़िलें के गबई गांव के उप स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत एक एएनएम वर्कर हैं।
- गायत्री कुमारी को सम्मानित किए जाने का मुख्य कारण टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, जच्चा-बच्चा की सुरक्षा और कोविड काल में लोगों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाने के लिए उनकी तत्परता और कर्तव्यनिष्ठा था।
- गायत्री कुमारी ने बीएड और एमएड तक की पढ़ाई की है इसके बाद वर्ष 2008 में स्वास्थ्य विभाग में उन्हें नर्स की सेवा के लिए चुना गया।
- राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार की स्थापना भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वर्ष 1973 में की गई थी।
- यह स्मरणीय है कि, राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटेंगल अवार्ड नर्सिंग के क्षेत्र में दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है, जो नर्सिंग सेवा से जुड़े कर्मियों को उनके नि:स्वार्थ सेवा व असाधारण कार्य कुशलता के लिए प्रदान किया जाता है।
- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री - मनसुख मांडविया।
- बिहार के वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव हैं ।

पटना के मनेरशरीफ में सूफी महोत्सव 2023 का आयोजन

चर्चा में क्यों?

- बिहार की राजधानी पटना जिले के मनेरशरीफ में वार्षिक तौर पर सूफी महोत्सव 2023 का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन बिहार के आपदा मंत्री शाहनवाज आलम तथा अन्य द्वारा किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने वर्ष 2011 में मनेर स्थित मनेर शरीफ दरगाह पर सूफी महोत्सव का शुभारंभ किया था उसी समय से बिहार सरकार के पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में सूफी महोत्सव आयोजन प्रत्येक वर्ष किया जाता है।
- यह महोत्सव सुप्रसिद्ध सूफी संत हजरत सुल्तानुल मखदूम शेख कमालुद्दीन अहमद याहिया मनेरी व मखदूम शाह दौलत मनेरी रहमतुल्लाह अलेह के दरगाह पर आयोजित किया गया था।
- सूफी महोत्सव का मुख्य उद्देश्य सूफी आदर्शों, उनके आदर्श विचारों, समाज में सूफियों के योगदान से लोगों को रूबरू कराना है।
- बिहार में सूफीवाद के आगमन के कारण सूफी संतों और उपदेशकों की मस्जिदों और `खानकाहों 'का निर्माण हुआ और इसे शिक्षा के केंद्रों के रूप में बदल दिया गया।
- मनेर मुस्लिम संस्कृति का बिहार में सबसे पुराना केंद्र है। ग्यारहवीं शताब्दी में और उसके बाद भी यह सूफी फकीरों का आध्यात्मिक केंद्र बना रहा। वर्ष में यहाँ दो बार दो फकीरों की पुण्य तिथि मनाई जाती है। उस समय धर्म-परायण मुसलमानों का मेला लगता है।
- वर्तमान मनेर में इस समय दो दरगाह है , बड़ी और छोटी। बड़ी दरगाह बिहार के मुसलमानी धर्म स्थानों में सबसे ज्यादा पवित्र मानी जाती है। इसमें महान सूफी संत हजरत मखदूम यहिया मनेरी की कब्र है। मखदूम साहब कि मृत्यु वर्ष 1299 में हुई थी । वह हजरत ताज फकीह के पोते और बिहार के मुसलमान संतो के प्रमुख थे।

औरंगाबाद के जनार्दन प्रसाद बने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) के नए महानिदेशक

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में श्री जनार्दन प्रसाद को 174 साल पुरानी संस्था भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) का नया महानिदेशक नियुक्त किया गया है। उन्होंने वर्ष 2020 से महानिदेशक पद पर नियुक्त डॉ. एस राजू का स्थान लिया है।

मुख्य बिंदु:

- श्री जनार्दन प्रसाद का जन्म 12 अक्टूबर 1963 को राज्य के औरंगाबाद जिले में हुआ था।
- जनार्दन प्रसाद ने पटना विश्वविद्यालय से भूविज्ञान में एमएससी करने के बाद 1988 में जीएसआई, गांधीनगर में भूविज्ञानी के रूप में काम किया था। इन्होने शिलांग, पटना, फरीदाबाद, रांची और हैदराबाद में भी विभिन्न पदों पर काम किया है।
- महानिदेशक के रूप में नियुक्त होने से पहले, जनार्दन प्रसाद अतिरिक्त महानिदेशक और दक्षिणी क्षेत्र के विभाग के प्रमुख थे।
- प्रसाद को मेटलोजेनी और खनन अन्वेषण अध्ययन (मिनरल एक्सप्लोरेशन स्ट्डीज) का अनुभव है और वह सौराष्ट्र और गुजरात के अन्य क्षेत्रों में चूने का पत्थर (लाइमस्टोन), सोना, बेस मेटल, पीजीई और बॉक्साइट जैसी धातुओं के व्यापक खनिज खनन कार्य से जुड़े रहे हैं।
- प्रसाद आंध्र प्रदेश, गोवा, झारखंड, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में लोहे और मैंगनीज के अवैध खनन की जांच के लिए गठित न्यायमूर्ति एमबी शाह आयोग का हिस्सा भी रह चुके हैं ।
- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) खान मंत्रालय के अधीन कार्यरत एक संगठन है। इसका कार्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और अध्ययन करना है। इसका मुख्यालय कोलकाता में है और इसके छह क्षेत्रीय कार्यालय - लखनऊ, जयपुर, नागपुर, हैदराबाद, शिलांग और कोलकाता में हैं। इसकी स्थापना वर्ष 1851 में हुई थी।

चौथे राष्ट्रीय जल पुरस्कार के तहत सर्वश्रेष्ठ उद्योग का पुरस्कार बरौनी ताप विद्युत केंद्र, बेगूसराय (बिहार) को दिया गया

चर्चा में क्यों ?

- देश के वर्तमान उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ द्वारा विगत 17 जून, 2023 को जल शक्ति मंत्रालय के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग (डीओडबल्यूआर, आरडी एंड जीआर) द्वारा नई दिल्ली में विज्ञान भवन के प्लेनरी हॉल में आयोजित एक पुरस्कार वितरण समारोह में चौथा राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्रदान किया गया।

मुख्य बिंदु:

- जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग ने 11 श्रेणियों को शामिल करते हुए चौथे राष्ट्रीय जल पुरस्कार, 2022 के लिए संयुक्त विजेताओं सहित कुल 41 विजेताओं की घोषणा की।
- प्रत्येक पुरस्कार विजेता को एक प्रशस्ति पत्र और एक ट्रॉफी के साथ-साथ कुछ श्रेणियों में नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।
- राष्ट्रीय जल पुरस्कार, सरकार के 'जल समृद्ध भारत' या 'वाटर प्रोसपरस इंडिया' के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए चल रहे राष्ट्रव्यापी अभियान के हिस्से के रूप में, विभिन्न व्यक्तियों और संगठनों द्वारा किए गए अच्छे कार्यों और प्रयासों को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित करता है।
- राष्ट्रीय जल पुरस्कार वर्ष 2018 में जल शक्ति मंत्रालय के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग (डीओडबल्यूआर, आरडी एंड जीआर) द्वारा शुरू किया गया था।
- वर्ष 2019 और 2020 के लिए दूसरे और तीसरे संस्करण के राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्रदान किए गए थे । वर्ष 2021 में कोविड-19 महामारी के कारण पुरस्कार नहीं दिए गए थे।
- विभिन्न श्रेणियों में प्राप्त चौथा राष्ट्रीय जल पुरस्कार:
  - **सर्वश्रेष्ठ राज्य का प्रथम पुरस्कार:** मध्य प्रदेश।
  - **सर्वश्रेष्ठ जिले का पुरस्कार:** ओडिशा का गंजम जिला।
  - **सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत का पुरस्कार:** तेलंगाना में भद्राद्री कोठागुडेम जिले के जगन्नाधपुरम ग्राम पंचायत।
  - **सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय का पुरस्कार:** चंडीगढ़ नगर निगम, चंडीगढ़।

- **सर्वश्रेष्ठ मीडिया का पुरस्कार:** हरियाणा के एडवांस वाटर डाइजेस्ट प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम।
- **सर्वश्रेष्ठ स्कूल का पुरस्कार:** जमीयतपुरा प्राइमरी स्कूल, मेहसाणा, गुजरात।
- **कैंपस उपयोग के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान का पुरस्कार:** श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड, रियासी, जम्मू-कश्मीर।
- **सर्वश्रेष्ठ उद्योग का पुरस्कार: बरौनी ताप विद्युत केंद्र, बेगूसराय, बिहार।**
- **सर्वश्रेष्ठ स्वयं सहायता समूह (एनजीओ) का पुरस्कार:** अर्पण सेवा संस्थान, उदयपुर, राजस्थान।
- **सर्वश्रेष्ठ जल उपयोगकर्ता संघ का पुरस्कार:** संजीवनी पियाट सहकारी मंडली लिमिटेड, नर्मदा, गुजरात।
- **कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के लिए सर्वश्रेष्ठ उद्योग का पुरस्कार:** हिंदुस्तान कम्प्यूटर्स लिमिटेड (एचसीएल) टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, नोएडा, उत्तर प्रदेश।

पूर्वी चंपारण के कैथवलिया में बनेगा विश्व का सबसे बड़ा रामायण मंदिर

चर्चा में क्यों?

- विश्व के सबसे विराट रामायण मंदिर का निर्माण अयोध्या से जनकपुर तक बन रहे राम जानकी मार्ग एनएच 227A के किनारे पर स्थित पूर्वी चंपारण जिले में केसरिया प्रखंड के कैथवलिया में किया जा रहा है।

मुख्य बिंदु:

- रामायण मंदिर का निर्माण पटना महावीर मंदिर के द्वारा कराया जा रहा है। इस मंदिर के निर्माण के लिए आचार्य किशोर कुणाल द्वारा भूमि पूजन वर्ष 2012 में ही किया गया था।
- इस रामायण मंदिर का निर्माण 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही यहां मंदिर में काले ग्रेनाइट की चट्टान से बना विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग भी स्थापित किया जाएगा।

- इसके लिए चेन्नई के निकट महाबलीपुरम में 250 टन वजन के ब्लैक ग्रेनाइट पत्थर की चट्टान को तराश कर मुख्य शिवलिंग के साथ सहस्रलिंगम बनाया जा रहा है।
- यह मंदिर अयोध्या में बन रहे राममंदिर से तीन गुना से भी ज्यादा लंबा और दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर होगा और इस मंदिर में भगवान राम के साथ-साथ भगवान श्री कृष्ण भी विराजमान होंगे।
- विराट रामायण मन्दिर की लंबाई 1080 फीट और चौड़ाई 540 फीट होगी, जो 3.67 लाख वर्गफुट में होगा।
- विशाल रामायण मंदिर कंबोडिया स्थित अंकोरवाट मंदिर से भी काफी बड़ा होगा। 3.76 लाख वर्ग फुट में बनाये जा रहे तीन मंजिल विराट रामायण मंदिर में 22 देवालय एवं कुल 12 शिखर होंगे। मंदिर में सबसे ऊंचा शिखर 270 फीट का होगा।

कनाडा पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय 2023 प्रतियोगिता में वैशाली के प्रमोद भगत ने रजत पदक जीता

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में कनाडा की राजधानी ओटावा में आयोजित कनाडा पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय 2023 प्रतियोगिता में भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने सुकांत कदम के साथ पुरुष एकल स्पर्धा में रजत पदक, मिश्रित युगल में कांस्य पदक और पुरुष युगल में भी कांस्य पदक जीता है।

मुख्य बिंदु:

- बिहार के वैशाली जिले के निवासी प्रमोद भगत ने हाल ही में थाईलैंड पैरा बैडमिंटन टूर्नामेंट 2023 में दो स्वर्ण पदक जीता था।
- इससे पहले शटलर प्रमोद भगत और सुकांत कदम ने बीते अप्रैल माह में ब्राजील पैरा-बैडमिंटन इंटरनेशनल 2023 में मेंस डबल्स में गोल्ड मेडल जीता था सिंगल्स में प्रमोद को सिल्वर और सुकांत को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा था।
- पद्म श्री पुरस्कार प्राप्तकर्ता प्रमोद फाइनल में इंग्लैंड के डेनियल बेथेल से हार गए और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यद्यपि उन्होंने स्पेनिश पैरा-बैडमिंटन इंटरनेशनल 2023 लेवल 2 टूर्नामेंट में पुरुष युगल में भी स्वर्ण पदक जीता था।

- मिश्रित युगल में प्रमोद भगत ने मनीषा रामदास के साथ मिलकर कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान और खालिमतुस सादियाह से हार का सामना करना पड़ा।
- प्रमोद भगत ने टोक्यो पैरालंपिक 2020 के पुरुष एकल बैडमिंटन स्पर्धा में देश के लिए गोल्ड मैडल जीता था। इसके लिए भारत सरकार द्वारा उन्हें वर्ष 2019 में अर्जुन अवार्ड से सम्मानित भी किया गया था।

भोजपुर के सीनियर आईपीएस अफसर रवि सिन्हा बने रॉ (RAW) के नये प्रमुख

चर्चा में क्यों ?

- सीनियर आईपीएस अधिकारी रवि सिन्हा को हाल ही में रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (RAW) का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है। वे 1988 बैच के छत्तीसगढ़ कैडर के आईपीएस अधिकारी है।

मुख्य बिंदु:

- आईपीएस अधिकारी रवि सिन्हा मूल रूप से हरिपुर, भोजपुर (बिहार) के निवासी हैं और वे 30 जून 2023 को अपना कार्यभार संभालेंगे।
- रॉ प्रमुख सामंत कुमार गोयल का स्थान लेने वाले छत्तीसगढ़ कैडर के आइपीएस अफसर रवि सिन्हा वर्तमान में कैबिनेट सचिवालय में विशेष सचिव के रूप में कार्यरत हैं।
- ऑपरेशन मैन के नाम से मशहूर 59 वर्षीय रवि सिन्हा लंबे समय से इस प्रतिष्ठित खुफिया एजेंसी से जुड़े रहे हैं। वह वर्तमान में रॉ में 'सेकेंड इन कमांड' हैं। अपनी पदोन्नति से पहले वह रॉ की ऑपरेशनल डिवीजन का नेतृत्व कर रहे थे।
- कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमेटी ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रवि सिन्हा को दो साल के कार्यकाल के लिए भारत के रॉ प्रमुख के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दी है।
- यह पोस्ट स्पेशल सेक्रेटरी रैंक की है। रॉ देशहित के लिए ऑपरेशन को अंजाम देती है। RAW की रिपोर्टिंग सीधे प्रधानमंत्री को होती है।
- 21 सितंबर 1968 को इंदिरा गांधी की सरकार में खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (RAW) का गठन किया गया था।

आईआईटी पटना, एनआईटी पटना और ट्रिपल आईटी भागलपुर केंद्र सरकार की चिप टू स्टार्टअप (सी2एस) योजना में शामिल

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में केंद्र सरकार ने देश को सेमी कंडक्टर हब बनाने के लिए चिप टू स्टार्टअप (सी2एस) योजना शुरू की है। इस योजना में देश के कुल 103 शैक्षणिक संस्थानों को सेमीकंडक्टर बनाने जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मुख्य बिंदु:

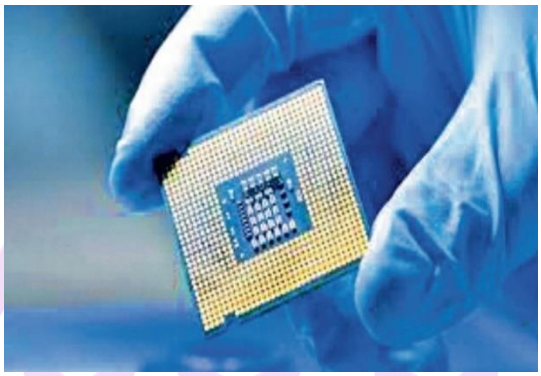

- वर्तमान समय में मोबाइल, टीवी, लैपटॉप, वाहन, एटीएम सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में सेमीकंडक्टर चिप का व्यापक स्तर पर उपयोग किया जाता है।
- एक रिपोर्ट के अनुसार इस समय भारत सहित अन्य देशों में सेमीकंडक्टर (चिप) आपूर्ति का संकट बना हुआ है। अतः देश को सेमी कंडक्टर हब बनाने को लेकर केंद्र सरकार ने चिप टू स्टार्टअप (सी2एस) योजना प्रारंभ की है।
- इस योजना के तहत सेमीकंडक्टर बनाने के लिए राज्य के आईआईटी पटना, एनआईटी पटना और ट्रिपल आईटी भागलपुर शिक्षण संस्थानों को भी शामिल किया गया है।
- इस योजना के लिए संस्थान को 86 लाख रुपए का अनुदान केंद्र सरकार कि तरफ से प्राप्त हुआ है।
- भारत में अभी चीन और कोरिया जैसे देशों से सेमीकंडक्टर का आयात किया जा रहा है। कोरोना काल में सेमीकंडक्टर का उत्पादन कम हो गया था जिसके कारण लैपटॉप, डेस्कटॉप व फोन के कीमतों में काफी वृद्धि देखि गयी थी।
- ऐसे में केंद्र सरकार के आईटी मंत्रालय ने पूरे देश में ऐसे 86 हजार डिजाइनर तैयार करने का लक्ष्य रखा है, जो चिप यानी सेमीकंडक्टर तैयार करने में दक्ष हों।
- यह ध्यान देने योग्य है कि, अभी भारत में सेमीकंडक्टर लैब केवल इसरो में है। केंद्र सरकार इस तरह के और लैब तैयार करने की योजना पर काम कर रही है।

BYJU'S EXAM PREP

नवादा जिले में तालब खुदाई के दौरान मिली भगवन विष्णु की सातवीं सदी की दुर्लभ मूर्ति

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में प्रदेश के नवादा जिले के रोह प्रखंड के मनियोचक गाँव में कस्तूरबा विद्यालय तालाब की खुदाई के दौरान भगवन विष्णु की सातवीं सदी की दुर्लभ मूर्ति मिली है।

मुख्य बिंदु:

- काले रंग के पत्थर से निर्मित इस मूर्ति की ऊंचाई लगभग तीन फीट है और यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यह मूर्ति पाल शासकों के समय की है ।
- किवदंती है कि रोह का प्राचीन नाम सुंदरगढ़ था, जहां कई मठ और मंदिर अवस्थित थे। कालांतर में घटित घटनाओं ने यहाँ के अधिकांश धरोहरों को विनष्ट कर दिया। समय समय खुदाई में निकलते मूर्ति इसी के प्रमाण माने जाते हैं ।
- इसके अतिरिक्त नवादा जिले में ही पहले कुषाण कालीन भगवान सूर्य की भग्न प्रतिमा मिल चुकी है। मूर्ति विशेषज्ञों के अनुसार बिहार में अब तक के प्राप्त साक्ष्यों में सूर्य पूजा का यह सबसे प्राचीनतम साक्ष्य हो गया है।
- इस मूर्ति की ऊंचाई 69 सेंटीमीटर, चौड़ाई 54 सेंटीमीटर और मोटाई 20 सेंटीमीटर है। प्राप्त भग्नावशेष मूर्ति के कमर के नीचे का हिस्सा है। प्रतिमा के बायीं ओर दंड झुककर खड़े हैं और दायीं ओर पिंगल स्याही भरी दवात और कलम लेकर खड़े हैं।
- यह उल्लेखनीय है कि, नवादा जिले के वारसलीगंज प्रखंड अंतर्गत चैनपुरा गांव में कुछ दिन पहले खेत से मिट्टी की खोदाई के दौरान हाथ में शंख, सुदर्शन चक्र, गदा व पद्म धारण किए भगवान विष्णु की तीन फीट ऊंची प्रतिमा मिली थी। इतिहासकारों के अनुसार यह प्रतिमा गुप्तकाल की मानी जाती है।
- यह भी ध्यान देने योग्य है कि, लखीसराय जिले के चानन थाना अंतर्गत क्यूल नदी के रामपुर बालू घाट पर बालू खनन के दौरान दो हजार साल पुरानी 'शालभंजिका' की दुर्लभ प्रतिमा मिली है।

BYJU'S EXAM PREP

'स्टेट ऑफ़ इंडियाज एनवायरनमेंट इन फिगर्स 2023' की पर्यावरण संरक्षण रैंकिंग में बिहार को मिला 27वाँ स्थान

चर्चा में क्यों ?

- सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) की वार्षिक रिपोर्ट 'स्टेट ऑफ़ इंडियाज एनवायरनमेंट इन फिगर्स 2023' के पर्यावरण संरक्षण रैंकिंग में तेलंगाना अव्वल तो राजस्थान आखिरी स्थान पर है, वहीं बिहार को 27वाँ स्थान मिला है।

मुख्य बिंदु:

- सीएसई के एनवायरमेंट रिसोर्स यूनिट के अनुसार, सभी 29 राज्यों की रैंकिंग के लिए चार थीम (पर्यावरण, कृषि, स्वास्थ्य, आधारभूत अवसंरचना और मानव विकास) के आधार पर 32 संकेतकों का उपयोग किया गया है। संकेतकों को अलग अलग भारांक पर मापा गया। इसके बाद अंतिम स्कोर और रैंकिंग की गणना की गई है।

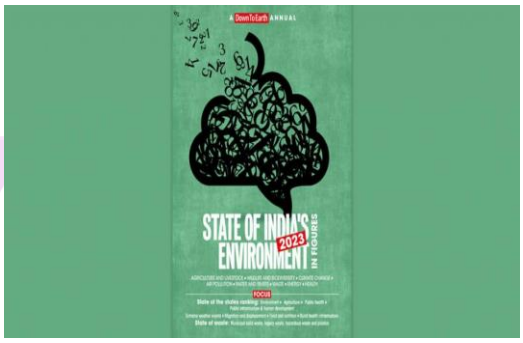

- पर्यावरण के क्षेत्र में प्रदर्शन के मामले में रिपोर्ट में तेलंगाना को प्रथम रैंकिंग दी गई है। तेलंगाना को पहला स्थान मुख्य रूप से वन आवरण में वृद्धि और नगरीय ठोस अपशिष्ट के उपचार के लिए मिला है। तेलंगाना के बाद गुजरात, गोवा और महाराष्ट्र का स्थान है। राजस्थान, नागालैंड और बिहार निचले पायदान पर हैं।
- कृषि के क्षेत्र में मध्य प्रदेश प्रथम स्थान पर है। आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश क्रमश: दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। निचले पायदानों पर दिल्ली, गोवा और मेघालय हैं।
- स्वास्थ्य के क्षेत्र में दिल्ली सबसे आगे है। दिल्ली के बाद सिक्किम, गोवा और मिजोरम का स्थान है। सबसे निचले पायदान पर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और उत्तर प्रदेश हैं।
- आधारभूत संरचना और मानव विकास के मामले में गुजरात ने पहली रैंकिंग प्राप्त की है। इस मामले में झारखंड का स्थान सबसे नीचे है। इसके बाद नागालैंड, राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश का स्थान है।

BYJU'S EXAM PREP

कजाकिस्तान में आयोजित एशियन सैम्बो प्रतियोगिता में बिहार का नया कीर्तिमान

चर्चा में क्यों?

- विगत 5 से 11 जून, 2023 तक कजाकिस्तान में आयोजित एशियन सैम्बो प्रतियोगिता के स्पोर्ट्स सैम्बो इवेंट में बिहार के भोरिक सिंह यादव ने रजत पदक और अभिलाषा ने ब्रोंज मेडल जीत कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

मुख्य बिंदु:

- कजाकिस्तान के अस्थाना में आयोजित एशियन शैंबो 2023 प्रतियोगिता में भारतीय टीम की तरफ से बिहार के पांच खिलाड़ियों ने एक रजत एवं तीन कांस्य पदक प्राप्त किया है।
- पटना की निवासी और भागलपुर किलकारी बिहार बाल भवन के प्रमंडलीय समन्वयक अभिलाषा कुमारी ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए डबल कांस्य पदक प्राप्त किया है। कैमूर के भोरिक सिंह यादव एवं पूनम यादव ने रजत पद जीता है।
- भूरिक सिंह यादव ने 89 स्पोर्ट्स कैटेगरी में रजत पदक, कैमूर की ही निवासी पूनम यादव ने 54 कॉम्बैट कैटेगरी में कान्स्य पदक और अभिलाषा कुमारी ने 59 स्पोर्ट्स और कॉम्बैट श्रेणी में कान्स्य पदक जीता है।
- भोरिक सिंह यादव को पहला मैच बाइ के रूप में मिला दूसरा मैच तुर्किस्तान से जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल मैच में इनके अपोनेंट चोटिल होने की वजह से समय पर नहीं आ सके इसलिए वॉकओवर दिया गया और फाइनल में प्रवेश किया। किन्तु फाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान से हार कर रजत पदक प्राप्त किया।
- अभिलाषा का पहला मुकाबला उज़्बेकिस्तान से हुआ जिसमें हार का सामना करना पड़ा एवं रीपैचेज राउंड में जीतकर कांस्य पदक प्राप्त किया।
- यह उल्लेखनीय है कि, सैंबो अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी से मान्यता प्राप्त है एवं एशियन गेम्स में खेले जाने वाला खेल है।
- 5 सदस्यीय टीम में 54 किलो भार वर्ग में अभिलाषा कुमारी, 88 किलो भार वर्ग में अभिजीत कुमार, 70 किलो भार वर्ग में प्रिंस कुमार पाण्डेय व कैमूर के रामगढ़ प्रखंड के दो पहलवान में 58 किलो भार वर्ग की राष्ट्रीय महिला पहलवान पूनम यादव और दूसरा 88 किलो भार वर्ग का पुरुष पहलवान भोरिक यादव शामिल हैं।

- पूनम रामगढ़ प्रखंड के सहुका का गांव की रहने वाली है। पूनम ने राज्य कुश्ती में 8 गोल्ड मेडल जीता है लगभग इतनी ही बार इसने राष्ट्रीय कुश्ती में भी भाग लिया है। पूनम एनआईएस का कोच भी रह चुकी है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण - 5 के अनुसार 93.2 प्रतिशत संस्थागत प्रसव के साथ मुंगेर जिला राज्य में प्रथम स्थान पर

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में जारी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़ों के अनुसार राज्य के सभी जिलों में संस्थागत प्रसव के दर में वृद्धि दर्ज हुई है। 93.2 प्रतिशत संस्थागत प्रसव के साथ मुंगेर जिला राज्य में प्रथम स्थान पर रहा हैऔर संस्थागत प्रसव में वृद्धि दर के अनुसार 27.2 प्रतिशत वृद्धि के साथ सीतामढ़ी जिला राज्य में प्रथम आया है।

मुख्य बिंदु:

- सुरक्षित मातृत्व में संस्थागत प्रसव का मुख्य उद्देश्य मातृ और शिशु मृत्यु दर में कमी लाना है। इसके लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के सफल संचालन के लिए राज्य,जिला एवं प्रखंड स्तर पर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

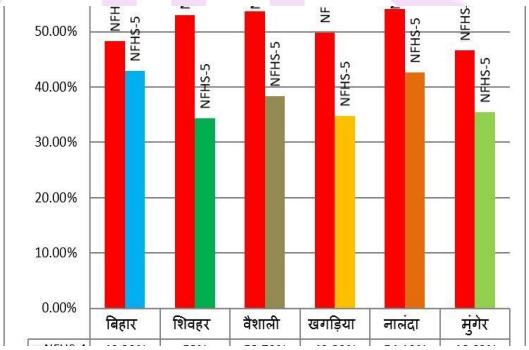

- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़ों के अनुसार मुंगेर जिला में संस्थागत प्रसव में 9.7 फीसदी की वृद्धि होकर 93.2 प्रतिशत हुई है जो कि राज्य में सर्वाधिक है।
- बक्सर जिला 89.5 प्रतिशत संस्थागत प्रसव की दर के साथ दूसरे स्थान पर एवं 89.2 प्रतिशत संस्थागत प्रसव के साथ शेखपुरा जिला तीसरे स्थान पर है।
- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 में राज्य में संस्थागत प्रसव की दर 63.8 प्रतिशत थी जो राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 में बढ़कर 76.2 प्रतिशत हुई।
- संस्थागत प्रसव के आंकड़ों में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण- 4 के सापेक्ष में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़ों में 27.2 प्रतिशत के साथ सीतामढ़ी जिला में सर्वाधिक वृद्धि दर्ज हुई है।
- सीतामढ़ी के बाद 23.4 प्रतिशत वृद्धि के साथ मधुबनी जिला दूसरे तथा 22.7 प्रतिशत के साथ वृद्धि दर के साथ दरभंगा जिला तीसरे स्थान पर है।

- इस सन्दर्भ में जननी सुरक्षा योजना के तहत ग्रामीण महिलाओं को 1400 रुपए एवं शहरी को 1000 रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाती है। साथ ही साथ जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत सरकारी अस्पतालों में प्रसूता एवं उसके नवजात के लिए 48 घंटे रुकने की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है।
- राज्य के 14 जिलों में एमडीए (मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन) कार्यक्रम की शुरुआत 10 अगस्त होगी। जिससे जिलों में माइक्रो फाइलेरिया दर का पता लगाया जा सके।

एनआईआरएफ रैंकिंग 2023 में आईआईटी पटना 66 वें स्थान पर

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एनआईआरएफ रैंकिंग 2023 के अनुसार आईआईटी मद्रास देश का सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय है। यद्यपि इस रैंकिंग के टॉप 10 में बिहार का स्थान नहीं है लेकिन, बिहार के कई कालेज ने टॉप 100 में अपना स्थान बनाया है।

मुख्य बिंदु:

- एनआईआरएफ रैंकिंग रैंकिंग फ्रेमवर्क संस्थानों को टीचिंग, लर्निंग रिसोर्सेज, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिस आदि के आधार पर मिलती है। इसमें ओवरऑल, विश्वविद्यालय और कालेज आदि कैटेगरी में रैंकिंग दी जाती है।
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास लगातार पांचवें वर्ष राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), 2023 में शीर्ष स्थान पर है।
- भारत के टॉप इंजीनियरिंग कालेज की सूची में आईआईटी पटना 41 वें स्थान पर है जबकि, एनआईटी पटना का 56 वां स्थान है। एनआईटी पटना का आर्किटेक्चर में 19 वां स्थान है।
- मैनेजमेंट की रैंकिंग में आईआईएम बोधगया ने 53वां स्थान प्राप्त किया है। एनआईपीईआर हाजीपुर फार्मेसी की सूची में पूरे देशभर में 44 वें स्थान पर है।
- एम्स पटना का कालेज मेडिकल कालेज में 27 वें स्थान पर है। राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा का कृषि विश्वविद्यालय की श्रेणी में 33 वां स्थान है।

फील्ड	प्रथम स्थान	दूसरा स्थान	तीसरा स्थान
समग्र रैंकिंग	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू)	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय	जामिया मिलिया इस्लामिया
इंजीनियरिंग	IIT मद्रास	IIT दिल्ली	IIT बॉम्बे
कॉलेज	मीरांडा हाउस (दिल्ली विश्वविद्यालय)	हिंदू कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय)	प्रेसिडेंसी कॉलेज (चेन्नई)
रिसर्च	IISc बेंगलुरु	–	–
इनोवेशन	IIT कानपुर	–	–
मैनेजमेंट	IIM अहमदाबाद	IIM बैंगलोर	IIM कोझीकोड
फार्मेसी	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, हैदराबाद	जामिया हमदर्द	बिट्स पिलानि
लॉ	नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली	NALSAR यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद

पटना में बनेगा देश का दूसरा सबसे बड़ा हड्डी अस्पताल

चर्चा में क्यों ?

- विगत 29 जून, 2023 को प्रदेश की राजधानी पटना के राजवंशीनगर में स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण (एलएनजेपी) हड्डी अस्पताल में हड्डी रोगियों के लिये बेड की कमी को ध्यान में रखकर पटना में देश के दूसरे सबसे बड़े हड्डी अस्पताल का निर्माण कार्य आरम्भ हो गया है, यह अस्पताल 400 बेड का होगा।

मुख्य बिंदु:

- बिहार की राजधानी पटना के LNJP हड्डी अस्पताल में 400 बेड के अस्पताल के अतिरिक्त एक स्पाइन अस्पताल का भी निर्माण कराया जा रहा है ताकि अब मरीजों को LNJP अस्पताल में अन्य सुविधाओं के साथ ही सुपर स्पेशलिटी सुविधाएँ भी उपलब्ध हो सकेंगी।
- इस अस्पताल में जाँच से लेकर इलाज एवं ऑपरेशन इत्यादि सभी नि:शुल्क किया जाएगा।
- LNJP अस्पताल के इस निकाय का शिलान्यास के लगभग दो वर्ष बाद निर्माण कार्य शुरू किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि राज्य का यह पहला और देश का दूसरा सबसे बड़ा हड्डी और स्पाइन का अस्पताल होगा।
- देश का पहला सबसे बड़ा अस्पताल हरियाणा के गुरुग्राम में 400 से अधिक बेड वाला एक हॉस्पिटल है, जहाँ सिर्फ हड्डी और स्पाइन की इलाज की सुविधा उपलब्ध है।
- इस नये अस्पताल में एक छत के नीचे मॉड्यूलर ओटी, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड, डिजिटल एक्स-रे मशीन, एमआरआई, मैमोग्राफी समेत फिजियोथेरेपी के लिये आधुनिक उपकरण जैसे शार्टवेब डायथर्मी, माइक्रोवेव डायथर्मी आदि की व्यवस्था होगी।
- अस्पताल का भवन निर्माण कैंपस में उपलब्ध ज़मीन पर ही होगा। इसका निर्माण कुल 3,39,551 वर्गफुट में होगा। इसके निर्माण पर 215 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

नालंदा की स्मिता कुमारी ने सेंटर स्प्लिट होल्डिंग (समकोणासन, योग) में बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

चर्चा में क्यों ?

- विगत 21 जून, 2023 को विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य पर राज्य के नालंदा ज़िले के बसानपुर गांव की निवासी स्मिता कुमारी ने सेंटर स्प्लिट होल्डिंग (समकोणासन, योग) में कुल 3 घंटे 10 मिनट और 12 सेकेंड तक योग की एक ही मुद्रा में खड़ी होकर नया विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है।

मुख्य बिंदु:

- नालंदा जिले की 29 वर्षीय स्मिता अडाणी ग्रुप के हेल्थ केयर डिपार्टमेंट के साथ पिछले चार वर्षों से इन-हाउस योगा इंस्ट्रक्टर के रूप में जुड़ी हुई हैं।
- गुजरात में उन्हें अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने सम्मानित भी किया था।
- गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम से भी इस कार्य के लिए स्मिता कुमारी को अपना रिकॉर्ड सर्टिफिकेट प्रदान किया है।
- उल्लेखनीय है कि स्मिता कुमारी ने अपनी ग्रेजुएशन की पढ़ाई राँची से की है। वहाँ उन्होंने मारवाड़ी कॉलेज में अर्थशास्त्र ऑनर्स में दाखिला लिया।
- ग्रेजुएशन के बाद उन्होंने दिल्ली में मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान से योग विज्ञान में डिप्लोमा किया है।
- इसके बाद स्मिता कुमारी वर्ष 2015-2017 में देव संस्कृति विश्वविद्यालय से एप्लाइड योग और ह्यूमन साइंस में मास्टर की पढ़ाई भी कर चुकी हैं।